भतीजे आदिनाथ को सौंपी गईं लता मंगेशकर की अस्थियां

लता मंगेशकर का रविवार 6 फरवरी की सुबह निधन हो गया था। 6 फरवरी की शाम लता मंगेशकर को शिवाजी पार्क में पंचतत्व में विलीन कर दिया गया। भाई हृदयनाथ मंगेशकर ने उन्हें मुखाग्नि दी। लता मंगेशकर को पूरी राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। वहीं सोमवार को लता मंगेशकर की अस्थियां उनके परिवार को सौंप दी गईं। भतीजे आदिनाथ मंगेशकर, लता जी की अस्थियां लेने शिवाजी पार्क पहुंचे। अस्थियां लेकर आदिनाथ, लता मंगेशकर के निवास प्रभु कुंज जाएंगे। आदिनाथ, लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर के बेटे हैं। वह भी पिता और बुआ की तरह सिंगर ही हैं। वहीं लता मंगेशकर के करोड़ों फैंस और संगीत प्रेमियों ने महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि दिवंगत भारत रत्न लता दीदी का अंतिम संस्कार जिस जगह पर किया गया, वहीं पर उनका स्मृति स्थल बनाया जाए। बता दें कि शिवाजी पार्क में शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे का स्मृति स्थल बना हुआ है। बाल ठाकरे के बाद लता मंगेशकर दूसरी हस्ती हैं, जिनका शिवाजी पार्क में अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार उस जगह से थोड़ी ही दूरी पर हुआ, जहां बाल ठाकरे का हुआ था।

अंकिता भार्गव का मिसकैरिज पर छलका दर्द, ट्रोल्स पर फूटा गुस्सा

टीवी ऐक्ट्रेस अंकिता भार्गव फिलहाल पर्दे से दूर हैं। लेकिन अपनी बेटी मेहर के साथ सोशल मीडिया पर एक–से–एक वीडियो पोस्ट करती नजर आती रहती हैं। उसमें वह बेटी को आर्ट एंड क्राफ्ट की क्लासेज देती रहती हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में ऐक्ट्रेस ने बताया है कि उनके और करण पटेल की लाइफ में मेहर के आने के बाद क्या–क्या बदलाव आए। साथ ही उन्होंने इस दौरान अपने मिस्कैरेज का भी जिक्र किया कि कैसे लोगों ने उनकी आलोचना की थी। बातचीत के दौरान बताया कि वह काम पर वापस आना चाहती हैं। लेकिन उनके लिए बेटी मेहर पहली प्रायोरिटी है, इसलिए अभी वह काम को कम अहमियत दे रही हैं। उनका कहना है कि वह फिल्में, थिएटर और टीवी नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक्टिंग करना चाहती हैं। अंकिता ने अपने और करण के रिश्ते का भी जिक्र किया। बताया कि जब उनकी ऐक्टर से शादी हुई तो उनकी खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद मेहर हुई तो मैंने उसकी फोटो रिवील नहीं की तो फिर से ट्रोलिंग शुरू हो गई। इसके बाद करण ने जब मेहर की फोटो शेयर की, तो मैं चौंक गई। हालांकि तब ट्रोलिंग नहीं हुई।

स्नो फॉल के बीच हनीमून मना रहीं मॉनी रॉय ,शेयर की बेडरूम की तस्वीरें

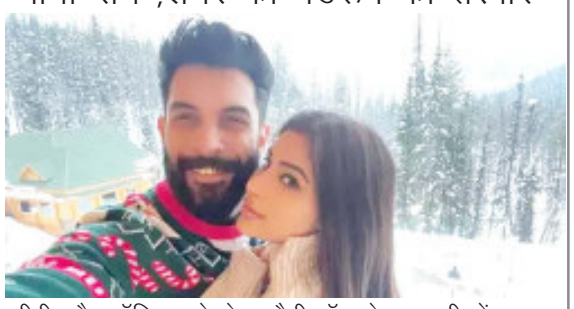

टीवी और बॉलिवुड ऐक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ शादी की थी। गोवा के रिजॉर्ट में दोनों ने डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। इसके बाद शादी की तस्वीरें और फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर भी की थी। अब वह सूरज के साथ हनीमून पर गई हुई हैं, जहां के भी अपडेट वह फैन्स तक पहुंचा रही हैं। मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें कुछ वह पति सूरज के साथ रोमांटिक पोज देती दिख रही हैं, तो कुछ में वह अकेले स्नो फॉल का लुफ्त उठा रही हैं। मॉनी बर्फीली पहाड़ियों के बीच स्थित रिजॉर्ट में किताबें पढ़ती हुई भी नजर आईं। इसकी भी तस्वीरें उन्होंने शेयर की। इसमें उन्होंने किताबों के कुछ पन्ने पोस्ट किए हैं। तस्वीर में मौनी ने पिंक स्वेटर पहना है तो वहीं सूरज ऐक्ट्रेस का रेड–ग्रीन स्वेटर पहने पोज दे रहे हैं। कॉटेज की बालकनी में खड़े दोनों बर्फबारी का लुफ्त उठा रहे हैं। इसके अलावा मौनी ने फोटोज में अपने होटल रूम की भी झलक दिखाई है। इन तस्वीरों को फैन्स भी खूब पसंद कर रहे हैं। आपको बता दें कि मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने 27 जनवरी को शादी की थी। कपल ने पहले मलयाली और फिर बंगाली रीति–रिवाजों से सात फेरे लिए। शादी के फंक्शन कई दिनों तक चले थे और इसके बाद जब मौनी मुंबई लौटी थीं तो गृह प्रवेश के दौरान उनका जोरदार स्वागत हुआ था।

अपने आखिरी पलों में भी मुस्कुरा रही थीं लता दीदी

भारत रत्न लता मंगेशकर का रविवार 6 फरवरी 2022 को निधन हो गया। भारत की स्वर कोकिला कहलाई जाने वाली सबसे पॉप्युलर सिंगर लता के निधन से पूरा देश शोक में डूब गया। लता मंगेशकर पिछले एक महीने से मुंबई के ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती थीं। इस दौरान उनका इलाज करने वाले डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया है कि आखिरी पलों में लता मंगेशकर का क्या हाल था।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

डॉक्टर समदानी ने बताया है कि अपने आखिरी समय पर लता मंगेशकर के चेहरे पर मुस्कान थी। डॉक्टर समदानी पिछले 3 सालों से लता मंगेशकर का इलाज कर रहे थे। उन्होंने कहा, जब भी लता जी की तबीयत खराब होती थी तो मैं ही उनका इलाज करता था। लेकिन इस बार उनकी स्थिति दिन ब दिन बिगड़ती चली गई। हालांकि हमने बहुत कोशिशें की लेकिन अंत में हम उन्हें बचा नहीं सके। आगे बात करते हुए डॉक्टर समदानी ने बताया कि जब लता मंगेशकर हॉस्पिटल में भर्ती थीं तो हमेशा कहती रहती थीं कि सभी का बराबर ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉक्टर ने बताया, वह हमेशा जो भी इलाज जरूरी होता था उसे लेने के लिए तैयार रहती थीं और उन्होंने कभी भी इससे परहेज नहीं किया। उन्होंने आगे बताया, मैं उनकी मुस्कुराहट बाकी की जिंदगी याद रखूंगा। यहां तक कि अपने आखिरी समय भी उनके चेहरे पर मुस्कुराहट थी। हालांकि पिछले कुछ सालों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी इसलिए वह ज्यादा लोगों से मिल नहीं पाती थीं।

डॉक्टर समदानी ने कहा, जब से मैं उनका इलाज कर रहा था, लता दीदी हमेशा बहुत कम बात करती थीं। हालांकि भगवान को कुछ और ही मंजूर था और वह हमें हमेशा के लिए छोड़कर चली गईं। बता दें कि लता मंगेशकर को 8 जनवरी को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। लगभग 1 महीने के इलाज के बाद 92 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

अनूप जलोटा ने कहा था- किसी से नहीं मिलतीं, कमरे में रहतीं

8 जनवरी 2022 को जब लता मंगेशकर कोरोना और निमोनिया के चलते अस्पताल में भर्ती हुई थीं तो उस वक्त भजन सम्राट अनूप जलोटा ने बताया था कि लता मंगेशकर किसी से मिलती नहीं क्योंकि उन्हें इंफेक्शन बहुत जल्दी हो जाता है। उन्होंने कहा था, श्वह (लता मंगेशकर) आजकल किसी से मिलती नहीं हैं। उन्हें इंफेक्शन बहुत जल्दी हो जाता है। जब से वह पिछली बार से हॉस्पिटल से आईं, अपने कमरे में ही रहती थीं किसी से नहीं मिलती। हम उनके साथ फोन पर संपर्क में रहे। लता मंगेशकर की उम्र है और उन्हें एहतियात के तौर पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।श पर किसे पता था कि लता मंगेशकर सही सलामत घर वापस नहीं आ पाएंगी।

फैमिली फ्रेंड ने बताई आखिरी 1 साल की कहानी

वहीं लता मंगेशकर के फैमिली फ्रेंड और श्सीआईडीश फेम ऐक्टर ऋषिकेश पांडे को भी गहरा सदमा लगा है। वह पिछले 15 सालों से लता मंगेशकर के फैमिली फ्रेंड के रूप में पहचाने जाते हैं। ऋषिकेश पांडे ने श्आजतकश को दिए इंटरव्यू में बताया कि लता दीदी पिछले एक साल से किसी से भी नहीं मिल रही थीं। उन्होंने लोगों से मिलना एकदम बंद कर दिया था। उनके घर पर किसी भी आउटसाइडर को आने की इजाजत नहीं थी। लता मंगेशकर पिछले एक साल में बेहद कमजोर हो गई थीं।

नर्सिंग स्टाफ कर रहा था देखभाल, बनाया था डायट चार्ट

ऋषिकेश पांडे ने बताया कि लता जी की बहन आशा भोसले डेढ़ साल से लोनावला में ही रह रही हैं और वह भी लता जी से मिलने एक–दो बार ही मुंबई आती–जाती थीं। लता मंगेशकर की उम्र और खराब तबीयत को देखते हुए उनके लिए पिछले एक साल से नर्सिंग स्टाफ भी रखा गया था। नर्सिंग स्टाफ लता मंगेशकर की देखरेख में कोई कमी बाकी नहीं छोड़ रहा था। ऋषिकेश पांडे के मुताबिक, लता जी की देखभाल के लिए 5–6 नर्सें रखी गई थीं। उनके लिए डॉक्टर ने डायट चार्ट बनाकर दिया था। वह एकदम सादा खाना खाती थीं।

आखिरी महीनों में लता मंगेशकर की दोस्त बन गई थी ये 8 साल की बच्ची

लता मंगेशकर के निधन के बाद बात करते हुए डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया, आज मेरी बेटी बेहद दुखी है। डॉक्टर समदानी की लता से पहली मुलाकात 2019 में हुई थी जब उन्हें सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, श्हमारे बीच एक प्यारा सा रिश्ता बन गया था।

भारत की सबसे पॉप्युलर गायिका लता मंगेशकर का रविवार 6 फरवरी को निधन हो गया। लता मंगेशकर बेहद सौम्य स्वभाव की थीं। पिछले 3 साल से लता का इलाज कर रहे डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया है कि लता मंगेशकर का उनके आसपास के लोगों के साथ कैसा व्यवहार रहता था। डॉक्टर ने बताया कि लता पिछले 2 सालों से उनकी 8 साल की बेटी से वीडियो कॉल पर बातें किया करती थीं।

लता मंगेशकर के निधन के बाद बात करते हुए डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया, आज मेरी बेटी बेहद दुखी है। डॉक्टर समदानी की लता से पहली मुलाकात 2019 में हुई थी जब उन्हें सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने कहा, श्हमारे बीच एक प्यारा सा रिश्ता बन गया था। कोरोना वायरस के चलते उन्हें हॉस्पिटल जाने की मनाही थी, इसलिए हर हफ्ते वह मुझसे वीडियो कॉल पर कन्सल्ट करती थीं। इन्हीं कॉल्स के बीच वह अपनी पुरानी यादें भी साझा किया करती थीं। साथ ही वह मेरे परिवार का भी हालचाल लेती रहती थीं।

डॉक्टर समदानी ने आगे बताया, श्लता दीदी की मेरी 8 साल की बेटी से भी खास बॉन्डिंग हो गई थी। वह अक्सर उससे वीडियो कॉल पर बात किया करती थीं। लता दीदी मेरी बेटी से मिलना भी चाहती थीं लेकिन कोरोना वायरस के चलते ऐसा हो नहीं सका। लेकिन इन दोनों की मुलाकात वीडियो कॉल पर वर्चुअली कई बार हुई थी। मेरी बेटी को भी लता दीदी बहुत पसंद थीं और वह उन्हें हाथ चिट्ठियां लिखकर भेजा करती थी। बता दें कि लता मंगेशकर को 8 जनवरी को कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बीच में उनकी तबीयत में सुधार हुआ था लेकिन 5 फरवरी को एक बार फिर उनकी हालत बिगड़ गई। लगभग 1 महीने के इलाज के बाद 92 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।